प्रकाशन, सूचना एवं संचार

समीक्षा अवधि के दौरान परिषद द्वारा *इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च* सहित अनेक प्रकाशन प्रकाशित किए गए। सूचनाविज्ञान एवं संचार के क्षेत्र में भी गतिविधियां की गईं।

प्रकाशन

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (*आई जे एम आर*) को विश्व की सभी प्रमुख वर्तमान जागरूकता एवं सतर्कता सेवाओं द्वारा सूचीबद्ध करने और सारांश प्रकाशित करने का कार्य जारी रखा गया। *आई जे एम आर* इंटरनेट (*www.icmr.nic.in*) पर निःशुल्क फुल टेक्स्ट उपलब्ध है तथा भारतीय जैवआयुर्विज्ञानी जर्नलों के ऑन लाइन फुल टेक्स्ट डाटाबेस med IND में भी उपलब्ध है।

विश्व के 37 देशों से भाग लेने वाले 237 जर्नलों के साथ विज्ञान संपादक परिषद द्वारा एक वैश्विक विषय की पहल के अन्तर्गत अक्टूबर 2007 में ''गरीबी और मानव विकास'' (*पावर्टी ऐण्ड ह्युमन डेवलपमेंट*), विषय पर एक विशेष विषय अंक प्रकाशित किया गया। मार्च 2008 में ''पोषण और अस्थि स्वास्थ्य'' पर एक अन्य विशेष अंक प्रकाशित किया गया। विभिन्न विश्व दिवसों के साथ-साथ डी डी टी का प्रयोग दोबारा शुरू करना, धुआं मुक्त परिवेश, विषाणुज यकृतशोथ, शिशु वृद्धि के अन्तर्राष्ट्रीय मानक, आदि जैसे सामयिक विषयों पर भी सम्पादकीय प्रकाशित किए गए।

एनुअल रिपोर्ट (वार्षिक प्रतिवेदन)

इस वर्ष के दौरान परिषद की ''एनुअल रिपोर्ट'' (2006-2007) तथा उसके हिन्दी रूपान्तरण ''वार्षिक प्रतिवेदन'' (2006-2007) का बेहतर साज-सज्जा के साथ प्रकाशन किया गया। आसानी से लाये ले जाने तथा प्रयोगकर्ता की सुविधा के लिए इसे एक कॉम्पैक्ट डिस्क (सी डी) में भी उपलब्ध कराया गया।

हिन्दी प्रकाशन

इस वर्ष के दौरान ''आई सी एम आर पत्रिका'' का प्रकाशन जारी रखा गया। 'चिकनगुन्या: एक पुनः उभरती जनस्वास्थ्य समस्या' तथा 'मलेरिया नियंत्रण: एक बहुआयामी प्रयास' शीर्षक से मूल रूप हिन्दी में तैयार दो आलेख भी प्रकाशित किए गए।

राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान द्वारा ''*पिक्टोरियल आइडेंटीफिकेशन* की *फॉर इंडियन एनॉफिलाइंस*'' शीर्षक से प्रकाशित एक पुस्तिका का हिन्दी रूपान्तरण – ''भारतीय एनॉफिलीज़् मच्छरों की सचित्र पहचान कुंजी'' शीर्षक से प्रकाशित किया गया।

सूचना एवं संचार

जैवआयुर्विज्ञान सूचना

आई सी एम आर – एन आई सी केन्द्र के वेब पेज, *http://indmed.nic.in* को गूगल डाइरेक्टरी द्वारा निरन्तर सर्वोच्च भारतीय स्वास्थ्य वेब साइट्स की श्रेणी में रखा गया। इस वर्ष के दौरान 700 से अधिक सूचनाएं ज्ञात (सर्च) की गईं।

वर्तमान में medIND डाटाबेस में 39 जर्नल शामिल हैं। Ind MED डाटाबेस के लिए जर्नलों को सूचीबद्ध करने का कार्य जारी है और वर्तमान में इसमें लगभग 45,000 रिकॉर्ड्स उपलब्ध हैं। *यूनियन कैटालॉग ऑफ बायोमेडिकल पीरियाडिकल्स* को आधुनिक बनाने का कार्य जारी है।

''जैवआयुर्विज्ञान सूचना को प्राप्त करने'' पर आयुर्विज्ञान पुस्तकाध्यक्षों और आयुर्विज्ञान पेशेवरों के लिए अलग-अलग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इंटरनेट का बहुत कम अनुभव सहित अथवा अनुभव रहित आयुर्विज्ञान पेशेवरों तथा इंटरनेट संसाधनों के उन्नत ज्ञान सहित पेशेवरों के लिए चार कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विज्ञानमितीय अध्ययन

परिषद के क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्रों सहित

सभी संस्थानों के प्रकाशनों के विश्लेषण सहित "*2006 रिसर्च आउटपुट ऑफ आई सी एम आर इंस्टीट्यूट्स*" शीर्षक के वार्षिक दस्तावेज तैयार किया गया। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के संस्थानों द्वारा वर्ष 2006 के दौरान कुल 502 शोध पत्र प्रकाशित किए गए। चेन्नई स्थित यक्ष्मा अनुसंधान केन्द्र द्वारा सर्वाधिक 63 शोध पत्र प्रकाशित किए गए। उसके पश्चात कोलकाता स्थित राष्ट्रीय हैज़ा तथा आंत्ररोग संस्थान (48) तथा हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान (39) का स्थान था। कुल 502 शोध पत्रों में 65.14 प्रतिशत शोध पत्र वर्ष 2006 में *जे सी आर/ एस सी आई* द्वारा कवर किए गए जबकि 72.80 प्रतिशत शोध पत्र वर्ष 2005 में कवर किए गए थे। इस श्रेणी में, चेन्नई स्थित यक्ष्मा अनुसंधान केन्द्र 44 शोध पत्रों के साथ सबसे ऊपर था। इन शोध पत्रों को कुल 244 जर्नलों में प्रकाशित किया गया। इनमें 153 जर्नल *जे सी आर/ एस सी आई* द्वारा कवर किए गए, 131 जर्नलों का इंपैक्ट फैक्टर 1.000 से अधिक अथवा बराबर था।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के संस्थानों से शुरुआत से लेकर वर्ष 2000 तक के विज्ञानमितीय अध्ययन किए जा रहे हैं। प्रतिवेदित वर्ष के दौरान चार संस्थानों यथा – पुणे स्थित राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय व्यावसायिक स्वास्थ्य संस्थान, मुम्बई स्थित राष्ट्रीय प्रजनन स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान तथा भुवनेश्वर स्थित क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्र को सम्मिलित किया गया है।

जैवसूचनाविज्ञान केन्द्र

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा वर्ष 2006 के दौरान देश के विभिन्न स्थानों में स्थापित 6 जैवआयुर्विज्ञान सूचनाविज्ञान केन्द्र अब पूरी तरह कार्यरत हैं। वर्ष 2007-2008 के दौरान हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान का पटना स्थित राजेन्द्र स्मारक आयुर्विज्ञान संस्थान में दो और केन्द्रों की स्थापना की गई। इसकी समन्वयन युनिट जैवसूचनाविज्ञान केन्द्र, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साथ है। इन केन्द्रों की कुछ प्रमुख गतिविधियों में सम्मिलित हैं – होमोलॉगी मॉडेलिंग, संरचना पर आधारित औषध की रूपरेखा, डाटाबेस और सॉफ्टवेयर विकास, होस्ट संस्थानों के वैज्ञानिकों के शोध कार्य में जैवसूचनाविज्ञान संबंधी साधनों के प्रयोग की दिशा में प्रशिक्षण और सेवाएं, आदि।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के डाटाबेसेज़ की नियमित देख-भाल के अलावा, जैवसूचनाविज्ञान केन्द्र द्वारा परिषद के एक तकनीकी प्रभाग के लिए सूचना प्रणाली विकास की शुरुआत की गई तथा 'अस्पतालों में तीव्र हृद्वाहिकीय घटनाओं को ज्ञात करने' पर परिषद की एक टास्क फोर्स परियोजना हेतु वेब पर आधारित एक मॉडयूल को विकसित किया गया है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के आठ संस्थानों में वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा पर कार्य की शुरुआत की गई। परिषद के सभी संस्थानों हेतु नेटवर्किंग के सुविधा प्रबंधन को तीन वर्षों के लिए नवीनीकृत किया गया।

इस वर्ष के दौरान आई सी एम आर की वेबसाइट *http://www.icmr.nic.in* की लोकप्रियता निरंतर जारी रही। सर्वाधिक देखे गए क्षेत्रों में परिषद के संस्थानों के वार्षिक प्रतिवेदन, *आई जे एम आर, आई सी एम आर* न्यूज़ आदि सम्मिलित थे।